भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4775
दिनांक 20.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

रासायनिक खाद और कीटनाशकों की खपत संबंधी आंकड़ा

4775. श्री चरनजीत सिंह चन्नी:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि पंजाब देश में प्रति हेक्टेयर रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों की अधिकतम खपत वाले राज्यों में शामिल है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान पंजाब में उर्वरक और कीटनाशक की खपत का वर्ष-वार आंकड़ा क्या है;

(ग) राज्य में उर्वरक के संतुलित उपयोग, नैनो-उर्वरक और सतत कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या किसानों की आय और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए पंजाब को पर्यावरणीय रूप से सतत कृषि की ओर बढ़ने में सहायता प्रदान करने हेतु कोई विशेष प्रोत्साहन या जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तावित है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): विगत तीन वर्षों के दौरान पंजाब में उर्वरक खपत के आंकड़े इस प्रकार हैं:

(हजार मीट्रिक टन में)

वर्ष	**यूरिया**	**डीएपी (डायमोनियम फॉस्फेट)**	**एमओपी (म्यूरिएट ऑफ पोटाश)**	**कॉम्प्लेक्स (एनपीके)**	**एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट)**
2022-23	2945.24	717.34	40.51	57.76	149.62
2023-24	3068.42	723.54	49.56	73.16	133.70
2024-25	3256.41	661.23	70.57	141.10	142.54

विगत तीन वर्षों के दौरान पंजाब में कीटनाशकों की खपत के आंकड़े इस प्रकार हैं:

इकाई: एमटी (**तकनीकी ग्रेड/फॉर्मूलेशन**)

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
1.	पंजाब	5130.00	5216.00	5110.00

(ग) और (घ): पंजाब राज्य सहित पूरे देश के किसानों के बीच नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, उर्वरक विभाग ने निम्नलिखित उपाय किए हैं:

i. नैनो उर्वरकों के उपयोग को जागरूकता शिविरों, वेबिनारों, फील्ड प्रदर्शनों, किसान सम्मेलनों और क्षेत्रीय भाषाओं में बनी फिल्मों आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है।

ii. संबंधित कंपनियों द्वारा प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) पर नैनो उर्वरक उपलब्ध कराई जाती हैं।

iii. उर्वरक विभाग द्वारा नियमित रूप से जारी की जाने वाली मासिक आपूर्ति योजना में नैनो उर्वरकों को शामिल किया गया है।

iv. नैनो उर्वरकों, जैसे नैनो यूरिया के फॉयलर एप्लीकेशन द्वारा अनुप्रयोग और उपयोग को सुगम बनाने के लिए, 'किसान ड्रोन' जैसे नवोन्मेषी छिड़काव विकल्पों और खुदरा केंद्रों पर बैटरी चालित स्प्रेयरों के वितरण जैसी पहल की जा रही हैं। इसके लिए, ग्राम स्तरीय उद्यमियों के माध्यम से पायलट प्रशिक्षण और कस्टम हायरिंग स्प्रेइंग सर्विसेस सक्रिय रूप से प्रोत्साहित की जा रही हैं।

v. उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के सहयोग से परामर्श और क्षेत्र स्तरीय प्रदर्शनों के माध्यम से देश के सभी 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में नैनो डीएपी को अपनाने के लिए एक महा अभियान शुरू किया है।

vi. देश के 100 जिलों में नैनो यूरिया प्लस के ज़मीनी स्तर के प्रदर्शन और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए एक अभियान शुरू किया गया है।

इसके अलावा, देश में उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए, जिसमें पंजाब राज्य भी शामिल है, उर्वरक विभाग द्वारा निम्नलिखित पहलें की गई हैं:

- भारत सरकार ने मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना को लागू किया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश भर के सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराना है, ताकि मृदा उर्वरता, फसल उत्पादकता और कृषि की स्थिरता में सुधार के लिए संतुलित और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा सके। यह कार्ड विभिन्न मापदंडों पर मृदा स्वास्थ्य का आकलन करता है और यह प्रत्येक दो वर्ष में जारी किया जाता है। अब तक, देश भर में 25.90 करोड़ से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों को उनकी मिट्टी में पोषक तत्वों की स्थिति और अवस्था की व्यापक जानकारी प्रदान करते हैं। यह सुविचारित निर्णय लेने और दीर्घकालिक मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए रसायन और जैव उर्वरकों के उचित उपयोग पर फसल-विशिष्ट अनुशंसाएँ भी प्रदान करता है।

- सरकार ने 28 जून, 2023 को "प्रधानमंत्री प्राणम कार्यक्रम" को अनुमोदन प्रदान किया है, जिसका उद्देश्य धरती माता के की बहाली, जागरुकता पैदा करता, पोषण और सुधार के लिए कार्यक्रम चलाना है। इस योजना के अंतर्गत सभी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र शामिल हैं। इस योजना में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को जिसके तहत जैविक खाद, जैव उर्वरक और कम्पोस्ट जैसे पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को अपना कर रासायनिक उर्वरकों (यूरिया, डीएपी, एनपीके और एमओपी) की खपत कम करने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रावधान है। वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान, 14 राज्यों में रासायनिक उर्वरकों की खपत में 15.14 लाख मीट्रिक टन की कमी दर्ज की गई, जो पिछले तीन वित्तीय वर्षों की रासायनिक उर्वरकों की औसत खपत की तुलना में है

- उपरोक्त के अतिरिक्त, उर्वरक विभाग द्वारा उर्वरक कंपनियों के सहयोग से किसान संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है, जिसमें किसानों, स्थानीय किसान सहकारी समितियों और पंचायतों के साथ व्यापक स्तर पर संवाद स्थापित किया जाता है। इन संगोष्ठियों का उद्देश्य उर्वरकों का संतुलित उपयोग, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक खेती को बढ़ावा देना और मृदा स्वास्थ्य में सुधार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना है। फरवरी 2025 से फरवरी 2026 के दौरान देशभर में 24 उर्वरक विपणन कंपनियों ने 17,108 शिविरों/किसान संगोष्ठियों का आयोजन किया। इन शिविरों में

उर्वरकों की उचित मात्रा, फसल-विशिष्ट प्रयोग तकनीक और जैविक इनपुट के लाभों पर तकनीकी सत्र भी आयोजित किए गए।

*****